

कहानी सुनाना



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा
www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>




TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के जरिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोण के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए पाठ योजनाएँ तैयार करने तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और यह ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (<http://www.tess-india.edu.in>)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को उन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय ज़रूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार की परिपाटियों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है, लेकिन यदि आप उन्हें हासिल नहीं कर पाते हैं तो वे उनके लिए अनिवार्य नहीं हैं।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट (<http://www.tess-india.edu.in/>) से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EEO5v1

Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई का उद्देश्य कहानी सुनाने के लिए अंग्रेजी का उपयोग करने के आपके कौशल को विकसित करना है।

कहानी सुनाना एक शक्तिशाली शिक्षण विधि हो सकती है क्योंकि एक शिक्षक के रूप में आप अपने विद्यार्थियों के साथ सीधे बातचीत करते हैं। कहानियों और कहानियाँ सुनाने के लिए केवल एक ही संसाधन की आवश्यकता होती है – आप।

कहानी सुनाकर आप खुले सवाल कर सकते हैं, जैसे 'आपके अनुसार आगे क्या हुआ होगा?' और 'आपको क्यों लगता है कि वह ऐसा करता है?', जिनसे विद्यार्थियों को सोचने, याद करने, प्रतिबिंबित करने, कल्पना करने और प्रतिक्रिया देने का प्रोत्साहन मिलता है। ये सभी उनके भाषा-संबंधी कौशल का विकास करते हैं। अनुभवी शिक्षक यह जानते हैं कि विद्यार्थी जब भाषा को किसी कहानी में सुनते हैं, तो उन्हें यह बहुत अच्छी तरह याद रहती है और वे इसका उपयोग करने की कोशिश भी करते हैं।

कक्षा में नियमित रूप से कहानियाँ कहना और पढ़कर सुनाना एक अच्छा अभ्यास है क्योंकि इससे सीखने का अवसर भी मिलता है और यह मजेदार अनुभव भी होता है। हम भाग्यशाली हैं कि भारत में लोककथाओं और परंपराओं के माध्यम से हमारे पास बहुत सारी कहानियाँ उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग शिक्षक भाषा के शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। जब आप कक्षा में कहानियाँ सुनाते हैं, तो यह साधारण होंगी और इसमें अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का मिश्रण भी होगा खासतौर पर विद्यालय के शुरूआती वर्षों में।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- कहानी सुनाने के लिए द्विभाषी विधियों का उपयोग करना।
- अपने विद्यार्थियों के लिए उपयोगी अंग्रेजी कहानियों का चयन करना।
- अंग्रेजी में कहानी सुनाने का अभ्यास करना।

1 नए शब्द सीखना

दो भाषाओं में दी कहानी को पढ़ने के साथ गतिविधि की शुरुआत करें।

गतिविधि 1: नए शब्द सीखना

नीचे दी गई छोटी-सी कहानी पढ़ें।

एक व्यक्ति था, जो कि बहुत परेशान दिखाई दे रहा था। यह आदमी, यह **आंद्रास** अपने घर के पीछे बने **किपो** ('किपो' एक उद्यान होता है) में कुछ ढूँढने गया। यह **आंद्रास** अपने हाथों और घुटनों के बल बैठ गया और **ट्राइयांडाफिला**, गुलाब, के नीचे खुदाई करने लगा।

इस समय **आंद्रा** की पत्नी, उसकी **यिनेका**, घर में ऊपर थी। उसकी **यिनेका** ने बेडरूम की **पैराथिरो** से बाहर देखा और पाया कि उसका **आंद्रा ट्राइयांडाफिला** के नीचे कुछ ढूँढ रहा है।

उसने पूछा कि वह क्या कर रहा है। 'मैं घर की चाबियाँ ढूँढ रहा हूँ', उसके **आंद्रास** ने उसे ऊँची आवाज़ में बताया।

'क्या तुमसे तुम्हारे घर की **विलडिया** यहाँ **किपो** में, **ट्राइयांडाफिला** के नीचे खो गई थीं?'

'नहीं,' उसके **आंद्रास** ने कहा। 'मेरी **विलडिया** यहाँ **ट्राइयांडाफिला** के नीचे नहीं खोई थीं, लेकिन यहाँ रौशनी बहुत बेहतर है!'



विचार के लिए रुकें

- इस उदाहरण में, ग्रीक शब्दों को अलग-अलग तरीकों से समझाया गया है – वे अलग अलग तरीके कौन से हैं?
- आपने उन शब्दों का अर्थ कैसे समझा, जो इस कहानी में स्पष्ट नहीं किए गए हैं: 'पैराथिरो' और 'विलडिया'?
- जब आप यह कहानी पढ़ रहे थे, तो आप ग्रीक भाषा के कुछ नए शब्द सीख रहे थे: 'आदमी', 'उद्यान', 'गुलाब' और 'पत्नी'। आपको शायद इन ग्रीक शब्दों के अर्थ समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई, हालांकि आपने शायद पहले कभी भी इस भाषा का उपयोग नहीं किया होगा, लेकिन लगभग सभी शब्द संक्षेप में स्पष्ट कर दिए गए और तुरंत ही एक सरल और मनोरंजक कहानी में परिचित सन्दर्भ में उनका उपयोग किया गया।
- इसी तरह आप किसी भी भाषा की कहानी के माध्यम से अंग्रेजी शब्द और वाक्यांश प्रस्तुत करके विद्यार्थियों को अंग्रेजी सिखा सकते हैं।

गतिविधि 2: नए अंग्रेजी शब्द सीखना

एक बहुत छोटी कहानी या कविता लीजिए, जिसे आप और आपके विद्यार्थी हिंदी में अच्छी तरह जानते हैं। इस कहानी या कविता में प्रयोग किए जाने लायक कुछ अंग्रेजी शब्द चुनें।

यह तय करें कि आप इन अंग्रेजी शब्दों को कैसे प्रस्तुत करेंगे। क्या आप उनका अनुवाद करेंगे, या उन्हें किसी और तरीके से समझाएँगे? अंग्रेजी शब्दों को पहचानने और सीखने में विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए आप चित्रों का भी उपयोग कर सकते हैं (चित्र 1)।



चित्र 1 अंग्रेजी शब्दों की पहचान करने में विद्यार्थियों की सहायता के लिए चित्रों का उपयोग।

किसी सहयोगी के साथ अपनी द्विभाषी कहानी या कविता का अभ्यास करें। उनके फीडबैक पर ध्यान दें और कहानी में अंग्रेजी शब्दों के सुधार के लिए इसमें परिवर्तन करें।

इसके बाद अपनी कक्षा में इसे करके देखें। क्या वे इन अंग्रेजी शब्दों को समझते हैं? क्या उन्हें कहानी में मजा आता है?

2 सरल कहानियों का उपयोग करना

कम संख्या में अंग्रेजी शब्दों को प्रस्तुत करने से आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी के उपयोग में आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। अगली केस स्टडी में, शिक्षिका अपनी कक्षा को एक पूरी कहानी अंग्रेजी में सुनाती है। इसे पढ़ते हुए इस विधि के लाभों और संभावित जोखिमों के बारे में सोचें।

केस स्टडी 1: अमीना एक परिचित कहानी अंग्रेजी में सुनाती हैं

अमीना उत्तर प्रदेश के एक ग्रामीण विद्यालय में विद्यार्थी शिक्षिका है, जहाँ कोई भी अंग्रेजी का साइनबोर्ड या समुदाय में अखबार तक नहीं हैं, और कोई भी अंग्रेजी बोलना नहीं जानता है।

मैंने भाषा की पाठ्यपुस्तक से 'The Thirsty Crow' कहानी ली। मुझे और मेरे विद्यार्थियों को यह कहानी बहुत अच्छी तरह मालूम थी। मैंने अंग्रेजी में इस कहानी को बहुत सरल भाषा में लिखा। मैंने घर में अपने पति को इस सरल बनायी हुई कहानी को सुनाकर अभ्यास किया। मैंने तब तक इसका अभ्यास किया, जब तक कि मुझे अपने विद्यार्थियों को यह अंग्रेजी संस्करण सुनाने लायक आत्मविश्वास महसूस नहीं हो गया। मैंने कहानी सुनाने के साथ उपयोग करने के लिए कुछ शारीरिक हावभावों का भी अभ्यास किया।

मैंने कक्षा एक के विद्यार्थियों को यह कहानी अपनी आवाज में हावभावों और इशारों के साथ इस तरह सुनाई, ताकि हर तरह से मैं अपनी बात का मतलब उन्हें समझा सकूँ। वे इस कहानी को पहले से ही जानते थे, लेकिन वे इसे सिर्फ हिन्दी में जानते थे।

मेरी कहानी के दौरान विद्यार्थी बिना कुछ बोले या बिना कोई भावनाएं दिखाए बैठे रहे। मुझे विश्वास हो गया कि वे कुछ भी समझ नहीं सके। अंत में मैंने विद्यार्थियों से हिन्दी में पूछा: 'मैंने आपको कौन-सी कहानी सुनाई?' मुझे आश्चर्य हुआ कि विद्यार्थी इस कहानी को अच्छी तरह पहचान गए थे, और फिर वे इसे अपने शब्दों में हिन्दी में सुनाने लगे!

मुझे मालूम हो गया कि विद्यार्थी बोले गए सभी अंग्रेजी शब्दों को नहीं समझ सके थे, लेकिन वे बहुत सारे अनुमान अच्छी तरह लगाने में समर्थ थे। चूँकि मैंने शारीरिक हावभावों का उपयोग किया था, इसलिए वे जान गए थे कि मैं कहानी सुना रही हूँ और उन्होंने अनुमान लगाया कि यह कहानी वे पहले से ही जानते थे मैंने बोर्ड पर कहानी के मुख्य अंग्रेजी शब्द लिखे: जैसे 'crow', 'drink', 'water', 'stones', 'pot' और 'thirsty'। मैंने ये

शब्द पढ़े और विद्यार्थियों ने इन्हें मेरे पीछे दोहराया। मैंने उन्हें उन शब्दों के चित्र बनाने और उनके नाम लिखने के लिए कहा।

अब मैं अंग्रेजी में कोई कहानी सुनाने से पहले, मुख्य शब्दों को बोलकर बोर्ड पर लिखती हूँ। कभी-कभी मैं कहानी के लिए चित्र भी तैयार करती हूँ (चित्र



चित्र 2 एक कहानी सुनाने के लिए चित्रों का उपयोग करना।

मुझे मालूम है कि इस विधि को व्यवस्थित रूप से तैयार करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन मुझे पता चला है कि यह केवल विद्यार्थियों के लिए ही उपयोगी नहीं है बल्कि मेरे लिए भी जरूरी है। अंग्रेजी के बारे में मेरा खुद का भी आत्मविश्वास धीरे-धीरे बढ़ रहा है। साथ ही, कहानी सुनाने से मुझे कक्षा का प्रबंध करने में भी मदद मिली है।



विचार के लिए रुकें

- अमीना को अहसास हुआ कि जितना वह समझती थी, उसके विद्यार्थियों को उससे ज्यादा अंग्रेजी आती है। क्या आपको लगता है कि आपके विद्यार्थियों के मामले में भी यह बात सही है? आप इसका पता कैसे लगाएंगे?

गतिविधि 3: किसी कहानी का अभ्यास करना

किसी छोटी सी कहानी को अंग्रेजी में पढ़ें। इसे एक से ज्यादा बार पढ़ें। आप जिन शब्दों के बारे में नहीं जानते, उन्हें रेखांकित करें या उन पर गोला लगाएँ, और फिर उन्हें शब्दकोश में ढूँढ़ें। इसे अकेले में या परिवार के किसी सदस्य के सामने ऊँची आवाज़ में पढ़ें।

‘The Moon and His Two Wives’

Did you know that the Moon has two wives?

One is an excellent cook. When the Moon visits her, she makes him many, many delicious plates of food. She cooks and he eats. She cooks and he eats. She cooks and he eats. And he gets fatter and fatter until he is entirely round and he can't eat any more.

When he can't eat any more, he goes off to see his other wife. She is an excellent storyteller. And when he visits her she tells him many, many exciting stories. Day and night, night and day, he sits and listens. And he is so busy listening that he forgets to eat. So he gets thinner and thinner until he is just a tiny crescent.

Then he gets hungry, and so he goes to see his cook-wife again.

जब आप कहानी को कई बार पढ़ लेते हैं, तो अगली बार इसे बिना पढ़े, ऊँची आवाज़ में बोलने की कोशिश करें।

क्या आप कुछ शब्दों के लिए कोई हावभाव जोड़ सकते हैं? इस कहानी को पढ़े बिना, विद्यालय में या घर पर किसी और को यह कहानी सुनाने की कोशिश करें।



विचार के लिए रुकें

- यह कहानी भाषा के बारे में और प्राकृतिक संसार के बारे में क्या बताती है?

इस बहुत छोटी-सी कहानी ने कुछ रोचक शब्दावली, जैसे 'excellent', 'delicious' और 'exciting' प्रस्तुत की। इस कहानी में अंतरिक्ष विज्ञान का एक शब्द भी आया क्रीसेन्ट (crescent)। इसमें दो विलोम शब्द भी आए: मोटा और पतला (fat and thin)। इस कहानी में दोहरावपूर्ण वाक्यांश हैं, जैसे 'day and night, night and day', 'fatter and fatter', and 'thinner and thinner'। आप इन विचारों का उपयोग भाषा को जानने के लिए प्रारंभिक बिंदुओं के रूप में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अन्य विलोम शब्दों जैसे 'bigger' और 'smaller' के बारे में सोच सकते हैं। आप समान अर्थ वाले शब्दों के बारे में भी सोच सकते हैं, जैसे 'excellent', 'outstanding' या 'first-rate'।

पारंपरिक कहानियों में अक्सर स्त्री-पुरुषों के बारे में संकीर्ण विचारधारा होती है, जैसे 'The Moon and His Two Wives' में पति और पत्नी की भूमिका। आप अपने विद्यार्थियों से इस बारे में कैसे बात करेंगे? इस कहानी को कम रुढ़िवादी बनाने के तरीकों के बारे में सोचें। उदाहरण के लिए, ऐसा भी कहा जा सकता है कि चाँद ने अपनी पत्नी के लिए भोजन बनाया और खुद का ही बनाया हुआ भोजन इतना अधिक खा लिया कि वह मोटा हो गया। या चाँद की दो पत्नियों के बजाय उसके दो दोस्त थे।

वास्तव में इस बात का एक वैज्ञानिक कारण है कि चाँद का आकार क्यों बदलता है। क्या आपको लगता है कि कहानी 'The Moon and His Two Wives' के कारण विद्यार्थियों के मन में कुछ गलत विचार विकसित हो सकते हैं? क्या आप यह कहानी सुनाने के साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान के सिद्धान्तों के बारे में भी बताएँगे? आप विद्यार्थियों से इस बारे में बात कर सकते हैं कि दुनिया के बारे में समझाने के वैज्ञानिक तरीके और हमारे आस-पास की दुनिया के बारे में समझाने के पारंपरिक तरीके में अंतर होता है। आप इस अवसर का उपयोग करके विद्यार्थियों से यह भी पूछ सकते हैं कि क्या उनके समुदाय में इस कहानी के अलग अलग संस्करण हैं, या आप उनसे उनके समुदाय की ऐसी कहानियाँ सुनाने के लिए कह सकते हैं, जिनमें वास्तविक संसार को समझाने की कोशिश की गई हो। कहानी सुनाने के समय उन्हें अंग्रेजी शब्दों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऐसी अन्य पारंपरिक कहानियों के बारे में सोचें, जो आपको मालूम हैं। क्या उनमें रोचक शब्द और भाषा के स्वरूप (pattern) हैं? क्या वे समस्याओं को रुढ़िवादी और वैज्ञानिक गलतफहमियों में प्रस्तुत करते हैं?

3 कक्षा में कहानी सुनाना

अब इस गतिविधि का प्रयास करें।

गतिविधि 4: सरल अंग्रेजी भाषा में एक कहानी सुनाएँ

एक बहुत छोटी-सी ऐसी कहानी चुनें, जिसे आपके विद्यार्थी पहले से ही जानते हों। यह कोई भी ऐसी कहानी हो सकती है जो कि जीवन या पाठ्य पुस्तक से हो जिसे सभी जानते हो यदि कहानी में कोई शब्द या वाक्यांश बार-बार दोहराए जाते हैं, तो इससे मदद मिलती है क्योंकि इससे आपको और विद्यार्थियों को अभ्यास करने का ज्यादा मौका मिलता है।

इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेजी संस्करण तैयार करें। विद्यार्थियों को कहानी सुनाने से पहले, अपने घर में इसका अभ्यास करें या किसी साथी शिक्षक के साथ अभ्यास करें।

आप कहानी की मुख्य शब्दावली के लिए शब्द कार्डों का उपयोग कर सकते हैं या इन शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं।

अब संसाधन 1 में पाठ योजना पढ़ें। इसे अपनी कक्षा की आवश्यकता, विद्यार्थियों की ज़रूरत और आपके स्वयं व्यावसायिक (professional) विकास के अनुसार विकसित करें।

विद्यार्थियों को धीरे-धीरे यह कहानी सुनाएँ। बोलते समय कहानी की नकल करने के लिए चित्रों या हावभावों का उपयोग करें। विद्यार्थियों को आपके शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने दें।

कहानी बताने के बाद, विद्यार्थियों से कहें कि वे कहानी सुनाने का अभ्यास करें। यदि आपकी कक्षा में कोई ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्हें सुनने में कोई समस्या होती है, तो अन्य विद्यार्थियों को उन्हें कहानी इशारों से बताने दें।

सत्र को मज़ेदार बनाएँ। आपको कथावाचन के साथ कोई भाषा अभ्यास या लेखन अभ्यास जोड़ने की आवश्यकता नहीं है।

कथावाचन सत्र के बाद, प्रत्येक विद्यार्थी के लिए निम्नलिखित मापदंडों का उपयोग करके संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

- ध्यान से सुनता है
- सहभागिता दर्शाता है (टिप्पणियाँ करना, प्रश्न पूछना)
- कहानी में कुछ अंग्रेजी शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करने में सक्षम है।
- कहानी को आंशिक रूप से अंग्रेजी में सुनाने में सक्षम है
- कहानी अंग्रेजी में सुनाने में सक्षम है।

आप पूरे वर्ष भर विद्यार्थियों के छोटे समूहों के साथ ऐसा कर सकते हैं।

गतिविधि 5: कक्षा में कहानी सुनाने के लिए तैयारी करना



एक शिक्षक कक्षा में पढ़े बिना कहानी सुनाते हैं।

कक्षा को एक साथ इकट्ठा करने या विद्यार्थियों को कहानी सुनने के लिए तैयार करने के लिए, आप कहानी का समय बताने वाली घंटी बजा सकते हैं या कहानी का समय बताने के लिए ड्रम बजा सकते हैं। आप एक कविता सुना सकते हैं या 'If You're Happy and You Know It' का एक संस्करण गा सकते हैं:

If you want to hear a story, clap your hands!
 If you want to hear a story, clap your hands!
 If you want to hear a story, if you want to hear a story,
 If you want to hear a story, clap your hands!

अपनी कक्षा में कथावाचन के लिए इन अंग्रेजी वाक्यांशों का अभ्यास और उपयोग करें:

- 'It's story time!'
- 'Sit down, everyone.'
- 'Are you ready?'
- 'Is everyone ready to listen?'
- 'Are you ready to listen?'
- 'Listen to me.'
- 'Who is listening?'
- 'Repeat after me ...'
- 'Say it with me ...'
- 'Let's say together ...'/'Say it with me ...'
- 'Now you say it.'
- 'You are good listeners!'
- 'You are good storytellers!'

यदि आप ऐसी दिनचर्या निर्धारित करते हैं, तो कहानी सुनाने के लिए ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा और/या एक से अधिक ग्रेड वाली कक्षा का प्रबंधन सरल हो जाता है और विद्यार्थी आपके साथ जुड़कर अंग्रेजी का अभ्यास कर सकते हैं।

आपकी कक्षा में कहानियों की संभावना को बढ़ाने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 2, 'कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक'

वीडियो: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक



4 सारांश

इस इकाई में आपकी कक्षा के विद्यार्थियों को कहानी सुनाने के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने और उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। कहानियों के द्वारा, हम एक परिचित सन्दर्भ में नई भाषा का उपयोग शुरू कर सकते हैं।

कक्षा में, कहानी सुनाना और ऊँची आवाज़ में बोलकर कहानियों को पढ़ना भाषा सिखाने के मुख्य स्रोत हैं। कहानियां बनाना, याद करना और दोहराना शिक्षकों और साथ ही विद्यार्थियों के लिए भी सीखने की एक प्रक्रिया है। एक रोचक और जीवंत तरीके से कहानी सुनाने की क्षमता शिक्षक के लिए एक महत्वपूर्ण गुण है। बेशक एक अच्छी कहानी मनोरंजक होती है, लेकिन साथ ही यह महत्वपूर्ण अवधारणाएं, दृष्टिकोण और भाषा कौशल सीखने की ओर विद्यार्थियों का ध्यान भी आकर्षित करती है। कहानियां सुनना और सुनाना एक आनंददायक गतिविधि है, जो विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक साझा अनुभव के लिए साथ लाती है।

इस विषय पर अन्य प्राथमिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- गीत, कविताएँ और शब्द खेल
- साझा पठन
- पाठ की तैयारी
- पठन का विकास और उसका अनुश्रवण
- पठन परिवेश को बढ़ावा देना।

संसाधन

संसाधन 1: कहानी सुनाने के लिए पाठ योजना

अपनी कक्षा के लिए इस योजना का प्रयोग करें।

यहाँ कुछ मुद्दे हैं, जिन पर आपको कहानी चुनते समय और इसे सुनाने की योजना बनाते समय विचार करना चाहिए।

कोई ऐसी कहानी चुनें, जिसे आप और आपके विद्यार्थी हिन्दी में या उनकी स्थानीय भाषा में अच्छी तरह जानते हों। यह किसी पुस्तक से भी हो सकती है, लेकिन आपको पुस्तक के बिना यह कहानी बोलकर सुनानी होगी। यह कहानी आपकी पाठ्यपुस्तक के किसी विषय से जुड़ी हो सकती है या यह किसी स्थानीय त्यौहार अथवा सामुदायिक आयोजन से जुड़ी हो सकती है। यह कहानी एक सामान्य तरीके से विद्यार्थियों के अनुभवों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, या यह विज्ञान, इतिहास या भूगोल जैसे किसी विषय विशेष में उनका ज्ञान विकसित करने वाली हो सकती है। संभव है कि इस कहानी में कोई ऐसा नैतिक संदेश हो, जिसे सिखाना आपको विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण लगता हो। शायद आप कोई पारंपरिक कथा चुनेंगे। यह कहानी आपकी कक्षा के लिए उपयुक्त क्यों है?

- कहानी की अवधि पर विचार करें। क्या इसे थोड़े-से समय में सुनाया जा सकता है?
- कहानी की कठिनाई पर विचार करें। इसमें उपयोग किए गए शब्द और वाक्यांश परिचित हैं या अपरिचित?
- कहानी में आप कहाँ रुककर विद्यार्थियों को अपने साथ शामिल होने या अपने पीछे दोहराने के लिए कह सकते हैं?
- इस बात पर विचार करें कि क्या कहानी हाशिए पर मौजूद समूहों के दृष्टिकोण से समावेशक है। क्या इस कहानी के कारण कोई विद्यार्थी खुद को उपेक्षित या शर्मिंदा महसूस कर सकता है ?
- इस बारे में सोचें कि आपके पास कौन-से साधन या चित्र हैं या बनाने की आवश्यकता है, जिससे कहानी को विद्यार्थियों के लिए अधिक जीवंत बनाने में मदद मिल सकती है। उदाहरण के लिए, क्या आपको किसी टेपी, झाड़ू या लैंप के चित्रों की ज़रूरत पड़ेगी? या आप वास्तविक वस्तुओं का उपयोग करेंगे?

तैयारी

- कोई ऐसी कहानी चुनें, जो आपको अच्छी तरह मालूम है।
- इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेजी संस्करण तैयार करें।
- यह कहानी सुनाने का अभ्यास करें, ताकि आप इसमें आत्मविश्वास महसूस करें।
- मुख्य शब्द और वाक्यांश चुनें। ऐसे शब्द और वाक्यांश चुनें, जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण हैं और कहानी में बार-बार आते हैं, ताकि विद्यार्थियों को उन्हें सुनने और उनका अभ्यास करने के अवसर एक से ज्यादा बार मिलें। इन शब्दों को यादगार और सरल बनाएं, ताकि विद्यार्थियों को उन्हें सीखने में मज़ा आए।

- अंग्रेजी के मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को शब्द कार्डों पर लिखें।
- शब्द कार्डों से मेल खाने वाले चित्र बनाएँ (ये चित्र स्वयं बनाएँ या किसी पत्रिका से काट लें)। अथवा पीपी, झाड़ू या गमले जैसी वस्तुओं का उपयोग करें।
- इन शब्द कार्डों और चित्रों या वस्तुओं का उपयोग करके कहानी सुनाने का अभ्यास करें।
- कहानी में ऐसे पल ढूँढ़ें, जहाँ रुककर आप विद्यार्थियों से अपने पीछे दोहराने के लिए कह सकते हैं या आपके साथ मिलकर वे वाक्यांश दोहरा सकते हैं।
- यह तय करें कि आप किस तरह विद्यार्थियों को कहानी सुनने के लिए तैयार करेंगे (लय, गीत, ड्रम, घंटी या अन्य विधि)।

पाठ में

- विद्यार्थियों को एक कहानी के लिए तैयार करें, ताकि वे सभी इसे सुनें (कोई घंटी बजाएँ, ड्रम बजाएँ, ताली बजाएँ)।
- उन्हें बताएँ कि वे यह कहानी अंग्रेजी में सुनेंगे और आपके साथ अंग्रेजी का अभ्यास करेंगे।
- कहानी सुनाएँ। धीरे-धीरे बोलें। हावभावों और चेहरे की भावनाओं का उपयोग करें। शब्द कार्ड, चित्र या वस्तुएँ दिखाएँ। विद्यार्थियों को इसे दोहराने और इसमें जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंग्रेजी में दोहरावपूर्ण शब्दों या वाक्यांशों का मिलान चित्रों या वस्तुओं के साथ करके इनका अभ्यास करें।

कहानी के बाद

- अंग्रेजी शब्दों और वाक्यांशों को दीवार पर रखें, ताकि विद्यार्थी उन्हें पढ़ना और अभ्यास करना जारी रख सकें।
- विद्यार्थियों को वह कहानी अंग्रेजी में फिर से सुनने के लिए प्रेरित करें।
- जब आप फिर से यह कहानी सुनाते हैं, तो विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें, जैसे 'अब इसके बाद क्या हुआ था?', 'यह घटना कहाँ हुई थी?' 'येसा किसने किया था?' इसे विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करने के अवसर के रूप में उपयोग करें।

संसाधन 2: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक

विद्यार्थी उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जबकि वे शिक्षण के अनुभव से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। अन्य विद्यार्थियों के साथ आपस में बातचीत करने और अपने विचारों को साझा करने से आपके विद्यार्थी अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। कथावाचन, गीत, रोल प्ले और नाटक कुछ ऐसी विधियाँ हैं, जिनका उपयोग पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिनमें गणित और विज्ञान भी शामिल हैं।

कहानी सुनाना

कहानियाँ हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाने में मदद करती हैं। कई पारंपरिक कहानियाँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। वे हमें बचपन में सुनाई गई थीं और इनसे हमें उस समाज के कुछ नियमों और मूल्यों के बारे में पता चलता है, जिसमें हमारा जन्म हुआ था।

कहानियाँ कक्षा में बहुत शक्तिशाली माध्यम होती हैं वे:

- रोचक, रोमांचक और प्रेरक हो सकती हैं
- हमें दैनिक जीवन से काल्पनिक संसार में ले जा सकती हैं
- चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं
- नए विचारों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित कर सकती हैं
- भावनाओं को समझने में मदद करती हैं
- ऐसे सन्दर्भ में समस्याओं को समझने में मदद करती हैं, जो वास्तविकता से अलग होता है और इस कारण भयभीत नहीं करता।

जब आप कहानियाँ सुनाते हैं, तो विद्यार्थियों से आँखों का संपर्क अवश्य बनाएँ। यदि आप अलग-अलग पात्रों के लिए अलग-अलग आवाजों का उपयोग करेंगे और उपयुक्त मौकों पर फुसफुसाहट के साथ या ऊँची आवाज़ में बोलकर अपनी आवाज़ का स्तर और लहजा बदलेंगे, तो उन्हें इसमें मज़ा आएगा। कहानी की प्रमुख घटनाओं का अभ्यास कीजिए ताकि आप इसे पुस्तक के बिना स्वयं अपने शब्दों में मौखिक रूप से सुना सकें। आप कहानी को जीवंत बनाने के लिए कक्षा में वस्तुएँ या कपड़े ला सकते हैं। जब आप किसी कहानी का परिचय देते हैं, तो इसका उद्देश्य अवश्य बताएँ और विद्यार्थियों को इस बारे में अवगत कराएँ कि वे क्या सीख सकते हैं। आपको उन्हें मुख्य शब्दावली का परिचय भी देना पड़ सकता है या कहानी को रेखांकित करने वाली अवधारणाओं के बारे में भी बताना पड़ सकता है। आप विद्यालय में किसी पारंपरिक कथावाचक को भी ला सकते हैं, लेकिन यह अवश्य सुनिश्चित करें कि कथावाचक और विद्यार्थियों, दोनों को अच्छी तरह मालूम हो कि क्या सीखना है।

कथावाचन कहानी 'सुनने' के अलावा कई अन्य विद्यार्थी गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। विद्यार्थियों से कहानी में उल्लेख किए गए सभी रंगों को नोट करने, चित्र बनाने, मुख्य घटनाओं को याद करने, संवाद तैयार करने या अंत बदलने के लिए कहा जा सकता है। उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और चित्र या वस्तुएँ देकर किसी अन्य नज़रिए से कहानी दोबारा सुनाने को कहा जा सकता है। किसी कहानी का विश्लेषण करके, विद्यार्थियों से कहा जा सकता है कि वे कल्पना और तथ्यों को पहचानें, घटनाओं की वैज्ञानिक व्याख्या पर विवाद करें या कोई गणितीय समस्याएँ हल करें।

विद्यार्थियों से उनकी स्वयं की कहानियाँ तैयार करने के लिए कहना एक बहुत शक्तिशाली साधन है। यदि आप उन्हें कार्य को सीमित रखने के लिए संरचना, सामग्री और भाषा देते हैं, तो विद्यार्थी आपको खुद की उनकी कहानियाँ बता सकते हैं, यहाँ तक कि गणित और विज्ञान के बहुत कठिन विचारों

के बारे में भी बता सकते हैं। वास्तव में वे विचारों के साथ खेल रहे हैं, अर्थ समझ रहे हैं और अपनी कहानियों के माध्यम से संक्षेप में नए विचारों को जान रहे हैं।

गीत

कक्षा में गीत और संगीत के उपयोग से अलग अलग विद्यार्थियों को योगदान करने, सफल होने और उन्नति करने का अवसर मिल सकता है। एक साथ मिलकर गाने से जुड़ाव बनता है और इससे सभी विद्यार्थी खुद को इसमें शामिल महसूस करते हैं क्योंकि यहाँ ध्यान किसी एक व्यक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित नहीं होता। गीतों के सुर और लय के कारण उन्हें याद रखना सरल होता है और इससे भाषा व बोलने के विकास में मदद मिलती है।

हो सकता है कि आप स्वयं आत्मविश्वासी गायक न हों, लेकिन निश्चित रूप से आपकी कक्षा में कुछ अच्छे गायक होंगे, जिन्हें आप अपनी मदद के लिए बुला सकते हैं। आप गीत को जीवंत बनाने और संदेश व्यक्त करने में सहायता के लिए गतिविधि और हावभाव का उपयोग कर सकते हैं। आप उन गीतों का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको मालूम हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार उनके शब्दों में बदलाव कर सकते हैं। गीत जानकारी को याद करने और याद रखने का भी एक उपयोगी तरीका है – यहाँ तक कि सूत्रों और सूचियों को भी एक गीत या कविता के रूप में याद रखा जा सकता है। आपके विद्यार्थी पुनरावृत्ति के उद्देश्य से गीत या भजन बनाने योग्य रचनात्मक भी हो सकते हैं।

रोल प्ले

रोल प्ले वह होता है, जिसमें विद्यार्थी किसी छोटे परिदृश्य के दौरान भूमिका निभाते हैं, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं दी जाती है लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले विद्यार्थियों को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

रोल प्ले के कई लाभ हैं क्योंकि:

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचारकरके अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।
- यह विद्यार्थियों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभी विद्यार्थियों को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

भूमिका निभाने से छोटे विद्यार्थियों को अलग-अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए, किसी स्टोर में खरीददारी करने का नाटक करना, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'कैफे', 'डॉक्टर का क्लीनिक' या 'गैरेज'। अपने विद्यार्थियों से पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का निरीक्षण करें।

रोल प्ले करने से बड़ी उम्र के विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि कक्षा में टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। विद्यार्थियों को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने के लिए कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने के लिए कह सकते हैं। रोल प्ले पूरी कक्षा के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है अथवा विद्यार्थी छोटे-छोटे समूहों में काम कर सकते हैं ताकि किसी एक ही समूह को न देखा जाए। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य भूमिका निभाने का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है, आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

भूमिका अदा करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भी करना संभव है। विद्यार्थी अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक-दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दिखा सकते हैं। गणित में, विद्यार्थी कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

नाटक

अधिकांश विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए कक्षा में नाटक का उपयोग करना एक अच्छी रणनीति है। नाटक से कौशल और आत्मविश्वास विकसित होता है, और इसका उपयोग इस बात के मूल्यांकन के लिए भी किया जा सकता है कि आपके विद्यार्थी किसी विषय के बारे में क्या समझते हैं। संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुंह तक जाते हैं और वहाँ से फिर वापस आते हैं, यह दिखाने के लिए टेलीफोनो की भूमिका निभाकर मस्तिष्क के काम करने के तरीके के बारे में विद्यार्थियों की समझ को बताने वाला एक नाटक। या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के खतरनाक परिणामों को बताने वाला एक संक्षिप्त, मजेदार नाटक छोटे विद्यार्थियों के मन में सही विधियाँ जमा सकता है।

नाटक अक्सर शेष कक्षा, विद्यालय या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के सामने प्रदर्शन की ओर विकसित होता है। यह लक्ष्य विद्यार्थियों को इसकी पूर्ति के लिए काम करने का अवसर देगा और प्रेरित करेगा। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया में समूची कक्षा शामिल होनी चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के अंतरों को ध्यान में रखा जाये। हर कोई अभिनेता हो यह जरूरी नहीं है; विद्यार्थी उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व से अधिक निकटता से जुड़े अन्य तरीकों (पोशाक का इंतजाम करना, वस्तुएँ लाना, स्टेज पर मदद करना) से भी योगदान कर सकते हैं।

इस बात पर विचार करना महत्वपूर्ण है कि आप सीखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा के विकास के लिए है (उदा. प्रश्न पूछना और उनके उत्तर देना), विषय के ज्ञान के लिए है (उदा. पर्यावरण पर खनन के प्रभाव), या विशेष गुण विकसित करने के लिए है (उदा. टीम वर्क)? इस बात का ध्यान रखें कि प्रदर्शन के लक्ष्य में कहीं नाटक का सीखने का उद्देश्य खो न जाए।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: <http://www.karaditales.com/>
- National Book Trust India: <http://www.nbtindia.gov.in/>
- NCERT textbooks: <http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm>
- Teachers of India classroom resources: <http://www.teachersofindia.org/en>

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

- Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.
- Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.
- Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.
- Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.
- Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.
- Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*. London: Routledge.
- Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।